पटवारी ने मांगा स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा

सरकार पर लगाया आपराधिक लापरवाही का आरोप

विशेष संवाददाता

भोपाल,07 अक्टूबर. मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोमवार को राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला और छिंदवाड़ा में जहरीली व नकली कफ सिरप कोल्ड्रिफ पीने से मासूम बच्चों की मौतों के मामले में सरकार को आपराधिक लापरवाही का दोषी ठहराया.

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए पटवारी ने कहा कि यह घटना न केवल स्वास्थ्य विभाग की नाकामी है, बल्कि पूरे सिस्टम में फैले भ्रष्टाचार का जिंदा सबूत है.

पटवारी ने बताया कि अब तक 17 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि कई बच्चे अब भी वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं. उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव केवल मृतकों के परिजनों से मिलने गए, लेकिन जो बच्चे अभी जीवन के लिए जूझ रहे हैं, उनके लिए क्या ठोस कदम उठाए गए?

उन्होंने छिंदवाड़ा के कलेक्टर को हटाने के फैसले को जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश बताया. पटवारी ने कहा, अगर वही कलेक्टर बने रहते तो हालात पर जल्दी काबू पाया जा सकता था. यह कदम सरकार की नाकामी को छिपाने के लिए उठाया गया है.

पटवारी का अधिकारियों को लेकर विवादित बयान

भोपाल. भोपाल में मंगलवार को आयोजित हुई कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अधिकारियों को लेकर एक विवादित बयान दिया है. पटवारी ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को शासन व्यवस्था चलाने के लिए एक सर्विस बुक दी जाती है. उन्हें उसके हिसाब से शासन चलाना होता है. उन्होंने कहा कि देखने में आ रहा है कि बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, जो जिलों में जाते हैं, वे भारतीय जनता पार्टी और सरकार का बाजा बजा रहे हैं.

कांग्रेस अध्यक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें राजनीतिक कारणों से बचाया जा रहा है. उन्होंने कहा, शुक्ल मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं, इसलिए उन पर कार्रवाई नहीं की जा रही. जबकि निचले स्तर के अफसरों को बलि का बकरा बनाया जा रहा है. पटवारी ने दावा किया कि पहले भी स्रेसन फार्मास्यूटिकल्स की दवाओं से बच्चों की मौतें हो चुकी हैं, फिर भी उनकी बिक्री जारी है. उन्होंने कहा, फूड कंट्रोलरों को कमीशन मिलता है.

खराब सोयाबीन की फसल का सर्वे विधायक ने खड़े होकर करवाया

उमरिया, 07 अक्टूबर. मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के करकेली जनपद अंतर्गत एक दर्जन से अधिक गांवों में भारी बारिश होने के कारण किसानों के खेतों की सोयाबीन की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है, जिसका सर्वे बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह ने स्वयं उपस्थित होकर कराया.

विधायक सिंह ने बताया कि भारी बारिश होने के कारण बांधवगढ़ विधानसभा के करकेली जनपद के ग्राम जरहा,सकरवार, नरवार 29, गोपाल पुर, कटंगी ,महुरी, नयागांव, गहिराटोला सहित एक दर्जन से अधिक गांवों के किसानों की सोयाबीन की फसल नष्ट हो गई है जिसका सर्वे अधिकारियों द्वारा किए जाते समय वे स्वयं उपस्थित थे. उन्होंने कहा कि एक एक किसान की 15- 15 एकड़ की फसल नष्ट हो गई है.

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों के साथ सदैव रही है ऐसी स्थिति में सर्वे उपरांत किसानों को नष्ट हुई सोयाबीन का उचित मुआवजा में उन्हें अवश्य मिलेगा इस दौरान पीड़ित किसान राजेश सिंह पवार ग्राम सकरवार, रघुनाथ सिंह जरहा,हजारी सिंह ग्राम गहिरा टोला ने अपनी 50 एकड़ से अधिक कृषि भूमि पर सोयाबीन की फसल के नुकसान की जानकारी देते हुए कहा कि सोयाबीन की फसल के नुकसान होने से उनकी वर्ष भर की स्थिति खराब हो गई है.

उज्जैन के मेडिकल संचालकों में मचा हड़कंप, दवा माफियाओं पर शिकंजा

- नवभारत की खबर के बाद जागा स्वास्थ्य विभाग
- ड्रग इंस्पेक्टर ने शुरू किया अभियान
- 17 बच्चो की मौत के बाद बढ़ी उज्जैन में सख्ती
- एक ड्रग इंस्पेक्टर को ताबड़तोड़ भेजा छिंदवाड़ा

नवभारत न्यूज

उज्जैन. जानलेवा कफ सिरप को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह नगर उज्जैन में भी स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट हो गया है और एक बड़ा अभियान शुरू कर दिया गया है. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक पटेल और ड्रग इंस्पेक्टर देशराज सिंह के नेतृत्व में शहर के मेडिकल स्टोर्स की जांच पड़ताल शुरू कर दी है, नवभारत ने मंगलवार को प्रमुखता से इस संबंध में खबर प्रकाशित की थी.

ड्रग इंस्पेक्टर देशराज सिंह की टीम ने दर्जनों मेडिकल स्टोर्स की गहन जांच की है और कई मेडिकल से दवाओं के सैंपल लिए हैं. जांच के दौरान कुछ मेडिकल स्टोर्स पर ऐसे कफ सिरप मिले, जिन्हें उन्होंने ऑर्डर करके मंगवा तो लिया था, उन्हें बेचा नहीं गया था. एहतियात के तौर पर ऐसे सभी सिरप डीलर को वापस भिजवा दिए गए हैं.

स्टॉक रजिस्टर की जांच- वर्तमान में सभी मेडिकल स्टोर्स के स्टॉक रजिस्टर की गहनता से जांच की जा रही है और प्रतिबंधात्मक कफ सिरप पाए जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश हैं. साथ ही बिक्री के लिए नई गाइडलाइन जारी की है, जिसका पालन करना मेडिकल संचालकों के लिए अनिवार्य है.

बिना प्रिस्क्रिप्शन बिक्री पर रोक-अब डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन (पर्चे) के बगैर कफ सिरप नहीं दिए जा सकते हैं.

खास तौर पर 4 साल तक के बच्चों के लिए सिरप देने में अत्यधिक एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं.

जागरूकता अभियान - परिजनों से लेकर मेडिकल संचालकों को जागरूक किया जा रहा है. सोशल मीडिया और मेडिकल स्टोर्स पर पर्चे चिपकाकर भी नई गाइडलाइन के पालन की जानकारी दी जा रही है.

ड्रग इंस्पेक्टरों की टीम सक्रिय- नवभारत से हुई चर्चा में ड्रग इंस्पेक्टर देशराज सिंह ने बताया कि उज्जैन में कुल तीन ड्रग इंस्पेक्टर हैं. सरकार और सीएमएचओ के दिशा-निर्देशों में यह अभियान शुरू किया गया है. ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि मेडिकल स्टोर ही नहीं अगले चरण में फैक्ट्री कारखाने में भी जांच पड़ताल की जाएगी.

छिंदवाड़ा भेजे गए इंस्पेक्टर- उज्जैन के एक ड्रग इंस्पेक्टर धर्म सिंह कुशवाहा को विशेष रूप से छिंदवाड़ा भेजा गया है. वे छिंदवाड़ा के परसिया में हुई घटना के मामले में जायजा लेंगे और यह जानेंगे कि क्या एहतियाती उपाय बरते जा रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके.

कोल्ड्रिफ सहित दो सिरप और किए प्रतिबंध-रिसपी सिरप व रेस्पीफ्रेश सिरप को भी प्रतिबंधित किया गया है. अत: उज्जैन जिले में तीनों अमानक दवाओं में से किसी भी दवा का क्रय-विक्रय किसी भी मरीज को नहीं किया गया है. इधर, जिस कोल्ड्रिफ कफ सिरप से छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत हुई है उसके सहित तीनों कफ सिरप अब मेडिकल पर बेचना प्रतिबंधित किया गया है.

मेडिकल संचालकों में मचा हड़कंप

ड्रग इंस्पेक्टर देशराज सिंह ने बताया कि फिलहाल उज्जैन में किसी भी मेडिकल स्टोर पर हानिकारक या प्रतिबंधात्मक कफ सिरप या अन्य दवाइयों का जखीरा नहीं पकड़ा गया है, जांच और सतर्कता का अभियान लगातार जारी रहेगा. नोटिस चस्पा करने और स्टॉक रजिस्टर चेक करने का काम तेज़ी से चल रहा है. यह अभियान सुनिश्चित करने के लिए है कि राज्य में दवाओं की बिक्री पूरी तरह से सुरक्षित और नियमों के अनुसार हो, हालांकि जांच -पड़ताल से मेडिकल संचालकों में हड़कंप पहुंच गया.

प्रभावित बच्चों का खर्च उठाएगी मप्र सरकार

भोपाल, 07 अक्टूबर . मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कफ सिरप प्रकरण में किडनी संक्रमित बच्चों के उपचार के लिए पूरा व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा.

छिंदवाड़ा और बैतूल जिले के बच्चों का उपचार नागपुर के चिकित्सा संस्थानों में हो रहा है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किडनी संक्रमण से प्रभावित बच्चों का अच्छे से अच्छा उपचार हो इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं. नागपुर के शासकीय मेडिकल कॉलेज सहित एम्स अस्पताल, कलर्स हॉस्पिटल, न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल और गेटवेल हॉस्पिटल में बच्चों का इलाज जारी है. कलेक्टर छिंदवाड़ा और बैतूल द्वारा बच्चों के परिवारों से सतत संपर्क रखते हुए आवश्यक सहायता दी जा रही है. भोपाल से भी बच्चों के उपचार और स्वास्थ्य लाभ की नियमित जानकारी प्राप्त की जा रही है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 9 बच्चों के उपचार के लिए संपूर्ण राशि प्रभावित परिवारों को राशि उपलब्ध करवाने को कहा है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर कलेक्टर छिंदवाड़ा ने नागपुर में उपचार करवा रहे बच्चों की सहायता के लिए तीन दल गठित किए हैं. इन दलों में कार्यपालक मजिस्ट्रेट सहित एक विशेषज्ञ चिकित्सक को दायित्व दिया गया है. इन दलों द्वारा प्रभावित परिवारों से सतत संपर्क किया जा रहा है जिससे उपचार में किसी तरह की कोई समस्या न हो. कफ सिरप से प्रभावित कई बच्चों का नागपुर के अस्पतालों में उपचार चल रहा है.

प्रतिबंधित सिरप लिखने पर डॉक्टर जाएंगे जेल

इंदौर. मध्यप्रदेश में छिंदवाड़ा की घटना के बाद इंदौर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है. कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि यदि कोई डॉक्टर प्रतिबंधित ड्रग्स वाले कफ सिरप लिखता पाया गया तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सीधे जेल भेजा जाएगा. कलेक्टर ने सीएमएचओ और फूड एंड ड्रग विभाग को आदेश दिए हैं कि दवा बाजार, मेडिकल स्टोर और शिशु रोग विशेषज्ञ अस्पतालों पर कड़ी निगरानी रखी जाए. प्रशासन की टीमें मंगलवार से पूरे शहर में जांच अभियान शुरू कर रही हैं. ड्रग इंस्पेक्टर लोकेश गुप्ता ने बताया कि सोमवार को सात डिपो का निरीक्षण किया गया, जहां प्रतिबंधित सिरप नहीं मिला. इस दौरान प्रतिबंधित सिरप ही नहीं, बल्कि उनसे मिलती-जुलती दवाओं की भी जांच की जाएगी.

जन्म के बाद नवजात बच्ची को खाली प्लॉट में फेंका

भिंड. शहर में जन्म के कुछ घंटे बाद ही एक मासूम नवजात बच्ची को कपड़ों में लपेटकर खाली प्लॉट में फेंकने का मामला सामने आया है. देर शाम के इस मामले में जब आसपास के लोगों ने रोने की आवाज सुनी तो वे दौड़कर मौके पर पहुंचे. बच्ची को देखकर सभी हैरान रह गए. किसी ने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. पुलिस ने नवजात को उठाकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने बच्ची की जांच की. डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची के जन्म को कुछ ही घंटे हुए थे. उसे ठंड व भूख के कारण हल्का बुखार है.

इंदौर में ड्रग इंस्पेक्टर ने दवा बाजार से 50 से ज्यादा सैंपल लिए

- कफ सिरप मामले में कार्रवाई
- तीन मेडिकल स्टोर पर छापेमारी
- संदिग्ध दवाओं की जांच शुरू

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश के सबसे बड़े दवा बाजार इंदौर में मंगलवार को कफ सिरप की गुणवत्ता और अवैध बिक्री को लेकर बड़ी कार्रवाई की गई. ड्रग इंस्पेक्टर कमल अहिरवार के नेतृत्व में टीम ने दवा बाजार की कई दुकानों पर पहुंचकर सघन जांच की और 50 से अधिक कफ सिरप के सैंपल लिए.

सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई केंद्रीय और राज्य औषधि नियंत्रण विभाग के संयुक्त अभियान के तहत की जा रही है. जांच के दायरे में फिलहाल तीन प्रमुख मेडिकल स्टोर आए हैं, जहां से कफ सिरप की संदिग्ध खेप मिलने की आशंका जताई जा रही है. ड्रग इंस्पेक्टर अहिरवार ने बताया कि सैंपल जांच के लिए लैब भेजे जा रहे हैं, और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी. फिलहाल दवा बाजार में टीम की कार्रवाई जारी है, जिससे अन्य दुकानदारों में भी हड़कंप मचा हुआ है. अधिकारियों के अनुसार, इस जांच का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शहर में बिक्री हो रहे कफ सिरप मानक गुणवत्ता के हों और किसी भी तरह से नशे या गलत उपयोग में न लाए जा रहे हों.

अक्टूबर में भी सक्रिय है मानसून

कई जिलों में बारिश के आसार और चलेंगी तेज हवाएं

भोपाल, 07 अक्टूबर. प्रदेश में मानसून सीजन अपने अंतिम दौर में है, लेकिन अक्टूबर के पहले सप्ताह के बाद भी बारिश और आंधी का सिलसिला जारी है. भोपाल सहित कई जिलों में मंगलवार को कहीं बादल तो कहीं धूप-छांव का मौसम देखने को मिला.

मौसम विभाग ने बताया कि अगले 24 घंटों में भी कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 07 अक्टूबर 2025 की सुबह 08.30 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में रुक-रुककर बारिश हुई. सिवनी जिले में भारी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि अन्य कई जिलों में आंधी और हल्की से मध्यम बारिश की सूचना है. प्रदेश के जिन जिलों में वर्षा या आंधी दर्ज की गई है, उनमें भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, सीहोर, आगर, मंदसौर, रतलाम, धार, अलीराजपुर, बड़वानी, छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, सतना, मैहर, सागर, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर शामिल हैं.

कई स्थानों पर चलीं तेज हवाएं

मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पश्चिमी मध्य प्रदेश में शिवपुरी और गुना में 41 किमी प्रति घंटा, शाजापुर में 31 किमी प्रति घंटा तथा सीहोर में 30 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं चलीं. वहीं पूर्वी मध्य प्रदेश के सागर में 41 किमी प्रति घंटा और चित्रकूट में 31 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं दर्ज की गईं.

किसानों की बढ़ी क्रय शक्ति : विजयवर्गीय

300 ट्रैक्टरों के साथ सैकड़ों किसान हुए शामिल

इंदौर,07 अक्टूबर. सोयाबीन किसानों के समर्थन में मंगलवार को शहर की सड़कों पर निकली भावांतर धन्यवाद ट्रैक्टर रैली में सियासी ताप साफ नजर आया. भाजपा समर्थित इस रैली में 300 से अधिक ट्रैक्टरों के साथ सैकड़ों किसान शामिल हुए थे.

दशहरा मैदान से शुरू हुई यह रैली महू नाका और केसरबाग रोड से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची, रैली के चलते कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन किया था और कुछ देर के लिए यातायात बाधित भी रहा.

रैली के पूर्व दशहरा मैदान पर आयोजित सभा में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों ने किसानों की क्रय शक्ति बढ़ाई है. उन्होंने कहा, पहले नई कार लांच के समय उद्योगपतियों को बुलाया जाता था, अब कंपनियां किसान भाइयों के सामने गाड़ियां लांच करती हैं. यह बदलाव बताता है कि किसान अब आर्थिक रूप से मजबूत हुए हैं. मंत्री ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार किसानों के हित में काम कर रही है. जीएसटी घटने से बाइकों के दामों में 18 से 20 हजार रुपए की कमी आई है. उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है, और उसी दिशा में भावांतर जैसी योजनाएं बनाई गई हैं.

- कार कंपनियां भी किसान को मान रहीं ताकत
- भावांतर के समर्थन में निकली किसानों की ट्रैक्टर रैली

विजयवर्गीय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता झूठ फैला रहे हैं. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी किसानों को गुमराह कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि भावांतर योजना से किसानों को वास्तविक लाभ मिल रहा है. हमारी सरकार किसानों को जीरो प्रतिशत ब्याज पर लोन देती है और उनकी हर जरूरत का ध्यान रखती है. भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने कहा कि रैली किसानों ने अपने स्तर पर आयोजित की थी, भाजपा ने सिर्फ इसका समर्थन किया और मार्ग में किसानों का स्वागत किया.

बैठक कलेक्टर्स- कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस के पहले सत्र में कलेक्टरों को मैनेजमेंट की नसीहत

कृषि सेक्टर्स की चर्चा में छाया खाद का मुद्दा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 7 अक्टूबर. कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस के पहला सत्र कृषि व संबद्ध सेक्टर्स के नाम रहा. इस सेक्टर्स पर चर्चा की अगुवाई कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल ने की.

उन्होंने एक-एक कर कृषि और उससे जुड़े विषयों को लेकर मैदानी अफसरों को प्राथमिकताएं गिनाईं. इस दौरान उन्होंने रबी 2025-26 के लिए उर्वरक व्यवस्था पर भी चर्चा की और सरकार का पक्ष रखा. उन्होंने कहा कि ये देखने में आया कि इस खरीफ सीजन के दौरान खाद की उतनी कमी नहीं थी, जितना की पैनिक क्रियेट किया गया. यदि कलेक्टर वितरण की सही व्यवस्था बनाते तो किसानों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता. इससे कलेक्टर सबक लें और आने वाले रबी सीजन के लिये अभी से खाद वितरण की सही व्यवस्था बनाएं, जिससे कि पैनिक सिचुएशन नहीं बने. वर्णवाल ने एक-एक कर तय बिंदुओं की जानकारी अफसरों को दी और इस पर कैसे अमल करना है, इसकी भी जानकारी दी.

पांच कलेक्टरों ने दिया प्रजेंटेशन

सत्र में प्रदेश के 5 जिलों के कलेक्टर्स ने अपने-अपने जिलों में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों को लेकर प्रजेंटेशन दिया. गुना कलेक्टर ने गुलाब क्लस्टर डेवलपमेंट के बारे में बताया. हरदा कलेक्टर ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रोत्साहन किए गए प्रयासों की जानकारी दी. शाजापुर कलेक्टर ने खाद वितरण के लिए टोकन प्रणाली विकसित करने के बारे में बताया. श्योपुर कलेक्टर ने पराली निष्पादन नियंत्रण की बेहतर व्यवस्था की जानकारी दी. खंडवा कलेक्टर ने जिले में सफलतापूर्वक गौशाला संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी. कॉन्फ्रेंस के पहले सत्र के अंत में जिलों के कलेक्टर्स एवं कमिश्नर्स ने प्रदेश की कृषि उत्पादन नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सुझाव भी दिए.

शांति-सुरक्षा का वातावरण बनाए पुलिस

डीजीपी मकवाणा ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

भोपाल, 07 अक्टूबर. पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय भोपाल के नवीन कांफ्रेंस हॉल में समीक्षा बैठक ली. बैठक में प्रदेश के सभी जोनल आईजी, डीआईजी, एसपी और विभिन्न शाखाओं के प्रमुख अधिकारी शामिल रहे.

बैठक का उद्देश्य प्रदेश की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, स्टाफ प्रबंधन और प्रशासनिक सुधारों की विस्तृत समीक्षा करना था. लंबे समय बाद इस स्तर की विस्तृत भौतिक समीक्षा बैठक आयोजित होने से संगठित नीति निर्धारण और कार्यप्रणाली में सुधार संभावित है.

बैठक में डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि पुलिस संगठन की कार्यशैली में निरंतर सुधार एवं अपग्रेडेशन समय की आवश्यकता है. उन्होंने यह स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस की जिम्मेदारी समाज में शांति, विश्वास और सुरक्षा का वातावरण बनाए रखना भी है. उन्होंने वीवीआईपी कार्यक्रमों के दौरान पूर्ण सतर्कता बनाए रखने, संवेदनशील मामलों में तत्काल और निष्पक्ष कार्रवाई करने तथा साइबर अपराध, नक्सल गतिविधियों और नशीले पदार्थों के नेटवर्क के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करने पर विशेष बल दिया। उनका कहना था कि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध और लक्षित रणनीति अपनाई जाए, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित हो सके.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60